भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1316
उत्तर देने की तारीख 11/02/2026

आईआईटी में सीटों का भरा जाना

1316 **श्री येरेम वेंकट सुब्बा रेड्डी:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रत्येक आईआईटी में एमबीए सीटों का आईआईटी-वार ब्यौरा क्या है और पिछले पांच वर्षों के दौरान खाली रह गई सीटों की वर्ष-वार और आईआईटी-वार संख्या कितनी-कितनी हैं;

(ख) क्या यह सच है कि आईआईटी अपने संस्थानों में एमबीए सीटें भरने में सक्षम नहीं हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि विभिन्न आईआईटी में एमबीए की औसतन 30 प्रतिशत सीटें खाली रह जाती हैं;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) किन कारणों से, यदि कोई हैं, छात्र, आईआईटी के एमबीए प्रोग्राम में शामिल होने में रुचि नहीं रखते हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ङ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में मौजूदा शैक्षणिक संस्थानों को उनकी बुनियादी संरचनाओं, शासन और संसाधनों में सुधार करके मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित की जाती है। एनईपी 2020 में शिक्षा और अनुसंधान में उच्चतम मानक स्थापित करने के लिए मॉडल सार्वजनिक संस्थानों के रूप में बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों (एमईआरयू) की स्थापना की भी सिफारिश की गई है। केंद्र सरकार द्वारा स्थापित आईएनआई (राष्ट्रीय महत्व के संस्थान) एनईपी 2020 के दृष्टिकोण को साकार कर रहे हैं और प्रबंधन और अर्थशास्त्र के साथ विज्ञान और इंजीनियरिंग को एकीकृत करते हुए समग्र, बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देने वाले अनुकूल शैक्षिक कार्यक्रमों को कार्यान्वित कर रहे हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) उच्च राष्ट्रीय रैंकिंग और कठोर मानकों के साथ भारत के प्रमुख प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग संस्थान हैं। एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप, वर्तमान में 11 आईआईटी अपने संस्थान में एमबीए कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे हैं। विभिन्न आईआईटी में एमबीए कार्यक्रमों में प्रवेश एक प्रतिस्पर्धी, बहु-चरणीय प्रक्रिया है और इसमें पिछले शैक्षणिक प्रदर्शन, कार्य अनुभव और प्रोफ़ाइल पैरामीटर जैसे शैक्षणिक पृष्ठभूमि और कभी-कभी अतिरिक्त उपलब्धियां शामिल हैं, और उस संस्थान और कार्यक्रम की क्षमता के भीतर उस शैक्षणिक वर्ष के लिए प्रस्ताव दिए जाते हैं। आईआईटी में एमबीए सीटों की संख्या कई कारकों जैसे संस्थान की प्रवेश क्षमता और स्वीकृत संख्या, योग्य संकाय और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता, नियामक मानदंड और साथ ही प्रत्येक आईआईटी की प्रबंधकारिणी समिति और शासन बोर्ड द्वारा विभिन्न एमबीए विशेषज्ञताओं के लिए तय किए गए विशिष्ट सीट वितरण पर निर्भर करती है।

*****